विषय– हिन्दी कक्षा– 4 टर्म– 3

पाठ/अवधारणा/थीम/घटक पाठ 12 गोडावण दिनांक ..... से .....तक

शिक्षण आकलन योजना

समूह 1 के बच्चों के रोल नं0 समूह 2 के बच्चों के

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :–

1. विभिन्न लोगों द्वारा लिखी आत्मकथा को पढने के प्रति प्रेरित होना। 2. स्वयं आत्मकथा लिखने को प्रेरित होना। 3. पढकर समझते हुए अपनी बात को व्यक्त करना। 4. 'र' के विभिन्न रूप एवं ध्वनि को समझना।

सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियॉ	सतत आकलन योजना	समीक्षा एवं अनुभव
(सामूहिक ; उपसमूह एवं व्यक्तिगत)		(बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)
सामूहिक कार्य– 1. शिक्षक पाठ के संदर्भ में गोडावण पक्षी के बारे में बातचीत करेगा। तथा बालकों को आत्म कथा के बारे में जानकारी देकर पाठ का स्वयं वाचन करेगा बालक ध्यानपूर्वक सुनेगें। 2. कठिन शब्दों का अर्थग्रहण करना जैसेः– सर्वाहारी–सभी प्रकार का भोजन करने वाला आदि 3. प्रश्न पूछना जैसेः– 1.हमारा राज्य पक्षी कौन है?2. गोडावण का शरीर होता है।(भूरा/काला 4. बालकों को 'र' के विभिन्न रूप समझाना जैसेः– गर्दन; महाराष्ट्र; पंद्रह; सुंदर आदि।	बालकों का आत्मकथा को सुनकर समझने का आकलन करना 'र' के विभिन्न रूप की समझ दर्ज करना	साप्ताहिक .....से .....तक
उपसमूह कार्य– 1. उपसमूह में पाठ में दी गई विषय–वस्तु को पढने का निर्देश देना। 2. गोडावण की भोजन संमंधी जानकारी करना (आपस में चर्चा कर लिखना) 3. जीव–जन्तुओं के संरक्षण के बारे में आप क्या सोचते है ?	बालकों की गतिविधि का आकलन करना	
व्यक्तिगत कार्य– 1. कठिन शब्दों को याद करके सुनाना। 2. पाठ से 'र' के विभिन्न रूप छाँटकर लिखना। 3. पाठ में दिए अभ्यास कार्य को करना।	बालक द्वारा किए कार्य की जाँच करना एवं टिप्पणी दर्ज करना	

http://rajteachers.com/cce.php

समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना :–	अपेक्षित प्रगति नोट	पाक्षिक
1. बालकों से अन्य आत्मकथा की पुस्तकें पढवाना एवं अर्थग्रहण की जाँच करना।	करना	——————से ——————तक
2. अपने बारे में आत्मकथा लिखना।		
3. राष्ट्रीय एवं राज्य प्रतीको की जानकारी कर लिखना।		
समूह 2 के लिए उद्देश्य –		
1. आत्मकथा पढने के प्रति रूचि लेना। 2. राज्य पक्षी के बारे में जानकारी करना।		
3. प्रश्नों के उत्तर स्वयं समझकर देना।		
समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक ; उपसमूह ; व्यक्तिगत)		
सामूहिक कार्य–	सुनकर समझने का	
1. अध्यापक गोडावण पक्षी के बारे में बालकों को जानकारी देगा वे ध्यानपूर्वक सुनेगें।	आकलन करना	
2. कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर उच्चारण करवाना।		
3. मौखिक प्रश्न करना जैसेः–1. गोडावण भयभीत क्यों है?2. गोडावण की संख्या क्यों घटी?		
उपसमूह में कार्य–	बालकों की सहभागिता	
1. उपसमूह में पाठ का वाचन करने का निर्देश देना।	का आकलन करना	
2. कठिन शब्दों को उच्चारण कर लिखना।		
3. गोडावण पक्षी के रहन–सहन की चर्चा कर लिखना।		
व्यक्तिगत कार्य–	बालक की सृजनशीलता	
1. स्वयं पर आत्मकथा लिखना।	एवं प्रगति का आकलन	
2. पाठ का कोई गंद्यांश पढकर उसमें पूछे गए प्रश्नों के उत्तर करना।	कर जाँचना	
पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि –	संस्था प्रधान का अभिमत :–	